" **परियोजना** का शीर्षक"

"परियोजना कार्य"

छायावाद साहित्य की प्रासंगिकता

"**एम.** ए (हिंदी) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ. दुर्गेश शर्मा"

हिन्दी विभागाध्यक्ष

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

"शोधार्थी

एवी यादव

रोल नं -२२४०११०४००३

कला संकाय हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं एवी यादव **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक डॉ **दुर्गेश शर्मा**, हिन्दी विभागाध्यक्ष,का धन्यवाद करना चाहता हूं ,जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम:- एवी यादव

संस्थान का नाम – जे .एस. विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, एवी यादव, छात्र एम० ए० हिन्दी,यह घोषणा करता हूँ कि मैंने " छायावाद साहित्य की प्रासंगिकता,, शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: १५-८- २०२४

स्थान: शिकोहाबाद

नाम: एवी यादव

कक्षा/विभाग:- एम० ए० हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि एवी यादव ने जे .एस विश्वविद्यालय, के हिन्दी विभाग के अंतर्गत " छायावाद साहित्य की प्रासंगिकता,, पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है। इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, **डॉ. दुर्गेश शर्मा** हिन्दी विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दिनांक: १५-८- २०२४

स्थान: शिकोहाबाद

हस्ताक्षर:
डॉ. दुर्गेश शर्मा
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

"परियोजना कार्य"

हिन्दी निबंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान

एम ०ए० (हिंदी) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ. दुर्गेश शर्मा"

विभागाध्यक्ष , **हिन्दी** विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" शोधार्थी

शिवानी

रोल नं २२४०११०४०२६

कला संकाय हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं शिवानी **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक डॉ. दुर्गेश शर्मा विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम - शिवानी ,

संस्थान का नाम – जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, कु० शिवानी छात्रा यह घोषणा करती हूँ कि मैंने " हिन्दी निबंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान " शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: १६-१०- २०२४

स्थान: शिकोहाबाद

नाम: शिवानी

कक्षा/विभाग: एम०ए०हिन्दी

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **शिवानी** ने **जे एस विश्वविद्यालय** के **हिन्दी विभाग** के अंतर्गत **हिंदी निबंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान**, पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, शोध **पर्यवेक्षक डॉ दुर्गेश शर्मा** विभागाध्यक्ष **, हिन्दी** विभाग के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: १६-१०- २०२४

स्थान: - जे एस विश्वविद्यालय

शिकोहाबाद

हस्ताक्षर:

[पद]

(शोध पर्यवेक्षक **-डॉ. दुर्गेश शर्मा"**

विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग

जे एस विश्वविद्यालय

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश ।

" **परियोजना** का शीर्षक"

"परियोजना कार्य"

आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां

"एम. ए (हिंदी) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ. दुर्गेश शर्मा"

विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" शोधार्थी

कु खुशबू

रोल नं २२४०११०४०२०

कला संकाय हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं कु खुशबू **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक **डॉ दुर्गेश शर्मा, विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग** का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम:- कु खुशबू
संस्थान का नाम :– जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, कु खुशबू छात्र।, एम 0ए0 हिन्दी विभाग,यह घोषणा करती हूँ कि मैंने " आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां " शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: १८-०६-२०२४

स्थान: शिकोहाबाद

नाम: कु खुशबू

कक्षा/विभाग: एम. ए .हिन्दी

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कुमारी खुशबू ने जे एस विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अंतर्गत आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, डॉ दुर्गेश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दिनांक: १८-०६-२०२४

स्थान: शिकोहाबाद

हस्ताक्षर:

(शोध गाइड का नाम) -**डॉ. दुर्गेश शर्मा**"

विभागाध्यक्ष

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

"परियोजना कार्य"

जयशंकर प्रसाद कें ऐतिहासिक नाटकों में ऐतिहासिकता

"एम. ए (हिंदी) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ. दुर्गेश शर्मा"

हिन्दी विभागाध्यक्ष

जे .एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" प्रस्तुतकर्ता"

सूरज कुमार

क्रमांक सख्या–22401104044

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं सूरज कुमार **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक डॉ. दुर्गेश शर्मा , **हिन्दी** विभागाध्यक्ष का धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम – सूरज कुमार
संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, सूरज कुमार, एम. ए हिन्दी विभाग छात्र, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने " जयशंकर प्रसाद कें ऐतिहासिक नाटकों में ऐतिहासिकता " शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: शिकोहावाद
नाम: सूरज कुमार
कक्षा/विभाग: एम. ए हिन्दी विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सूरज कुमार ने **जे .एस विश्वविद्यालय,** के हिन्दी विभाग के अंतर्गत "जयशंकर प्रसाद कें ऐतिहासिक नाटकों में ऐतिहासिकता" पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य डॉ. दुर्गेश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: शिकोहावाद

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) -**डॉ. दुर्गेश शर्मा**"
[विभाग/संस्थान का नाम] -हिन्दी विभागाध्यक्ष
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

"परियोजना कार्य"

भक्ति काल: **एक** स्वर्ण युग

"एम. ए (हिंदी) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"**पर्यवेक्षक**"
"डॉ. दुर्गेश शर्मा"
विभागाध्यक्ष, **हिन्दी** विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

"शोधार्थी"
कु सुरुचि
रोल नं २२४०११०४०४२

कला संकाय हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद,

उत्तर प्रदेश – 283135

आभार

मैं कु सुरुचि अपना परियोजना कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक डॉ दुर्गेश शर्मा का धन्यवाद करना चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम कु सुरुचि

एम० ए० हिंदी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, कु सुरुचि, छात्रा यह घोषणा करती हूँ कि मैंने " **भक्ति काल: एक** स्वर्ण युग " शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है।
इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: १५-०७-२४

स्थान: शिकोहाबाद

नाम: कु सुरुचि

कक्षा/विभाग:- एम ०ए० हिंदी

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कुमारी सुरुचि ने जे एस विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अंतर्गत भक्ति काल: एक स्वर्ण युग पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, डॉ दुर्गेश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [१५-७-२४]

स्थान: जे एस विश्वविद्यालय।

हस्ताक्षर:

[पद]

(शोध गाइड का नाम) -**डॉ. दुर्गेश शर्मा"**

विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश।